भारत सरकार
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
बायोटेक्नोलॉजी विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2997
उत्तर देने की तारीख : 13 अगस्त, 2026
विज्ञान टेक 2026 पहल

2997. **श्री लहर सिंह सिरोया:**

क्या **विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के लिए सरकार के समग्र दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए विज्ञान टेक 2026 का आयोजन किया है;

(ख) इस कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शित किए गए मुख्य परिणाम और प्रौद्योगिकियां कौन-कौन सी हैं;

(ग) इस कार्यक्रम के माध्यम से मंत्रालयों, वैज्ञानिक संस्थानों और उद्योगों के मध्य शुरू हुए सहयोगों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) इस पहल से किस प्रकार नवाचार-आधारित विकास को तेजी देने और "विकसित भारत 2047" में योगदान देने की उम्मीद है?

उत्तर
विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेन्द्र सिंह)

(क) बायोटेक्नोलॉजी विभाग द्वारा 11 मई 2026 को 'राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस' के अवसर पर ब्रिक- राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान (ब्रिक-एनआईआई), नई दिल्ली में 'विज्ञान टेक' नामक अपनी तरह की पहली राष्ट्रीय पहल आयोजित की गई थी। इसका उद्देश्य विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के लिए सरकार के समग्र दृष्टिकोण को बढ़ावा देना था।

(ख) इस प्रदर्शनी में स्वायत्त संस्थानों और प्रयोगशालाओं के ज़रिए अनुसंधान और विकास से जुड़े भारत सरकार के 14 मंत्रालयों और विभागों की प्रौद्योगिकीय क्षमताओं को एक ही मंच पर दर्शाया गया और इसमें इन संस्थानों में ही विकसित 100 से ज़्यादा प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया गया। सरकार के समग्र दृष्टिकोण पर आधारित इन प्रौद्योगिकियों को कई प्रमुख क्षेत्रों जैसे अंतरिक्ष एवं भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों; जलवायु एवं कृषि-खाद्य प्रौद्योगिकियों; बायोफार्मा और स्वास्थ्य प्रौद्योगिकियों; बायो-इंडस्ट्रियल और ग्रीन केमिकल्स; डीप-टेक मैटेरियल्स एंड एडवांस्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी; इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर्स एंड एनर्जी; और डीप-सी एंड एटमॉस्फेरिक टेक्नोलॉजी में प्रदर्शित किया गया। इस कार्यक्रम में 'टेक-संग्रह', जो सहभागी संस्थानों द्वारा विकसित लगभग 300 प्रौद्योगिकियों का एक संग्रह है, भी जारी किया गया । इनमें से कई प्रौद्योगिकियों का पहले से ही वाणिज्यिक प्रयोग किया रहा है या उनके लाइसेंस दिए गए हैं, जबकि अन्य प्रौद्योगिकियां राष्ट्रीय विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रयोग में लाए जाने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

(ग) इस कार्यक्रम में उद्योग को कई प्रौद्योगिकियां अंतरित की गई/ उन्हें प्रौद्योगिकियों के लिए लाइसेंस प्रदान किए गए। विवरण इस प्रकार हैं:

डीबीटी- जैवप्रौद्योगिकी अनुसंधान और नवाचार परिषद (डीबीटी- ब्रिक)

1. त्वरित फसल नवाचार प्रौद्योगिकी मंच
2. क्रियाशील सूखे खमीर संबंधी प्रौद्योगिकी
3. लिग्नोसेल्युलोजिक अवक्रमण प्रौद्योगिकी के इष्टतम उपयोग के लिए एंजाइम
4. क्लेवर सीयूपी
5. आंत में सूजन की बीमारी के लिए एनसीई

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर)

1. हीमोफिलिया ए डिसऑर्डर के लिए फैक्टर VIII इनहिबिटर टेस्ट
2. पीएसपी94 एलिसा
3. डेंगू, चिकनगुनिया और ज़िका वायरस का पता लगाने के लिए मल्टीप्लेक्स रियल-टाइम आरटी-पीसीआर

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर)

1. सीएसआईआर प्राइमा ईटी-11, 100% इलेक्ट्रिक कॉम्पैक्ट ट्रैक्टर

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएपपीआई)

1. एक्सट्रूडेड प्रोडक्ट्स टेक्नोलॉजी
2. हाइब्रिड ग्रीन हाउस सोलर ड्रायर
3. प्रोटीन और फाइबर से भरपूर ग्रैनोला बार

इस कार्यक्रम के दौरान निम्नलिखित का भी प्रमोचन किया गया:

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

1. सी-डैक, तिरुवनंतपुरम द्वारा विकसित स्वदेशी ग्लेशियर लेक बाथिमेट्री सर्वे सॉल्यूशन

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर)

1. सीएसआईआर@100, एक पुस्तिका, जिसमें वर्ष 2042 तक के लिए सीएसआईआर की योजना की रूपरेखा दी गई है, इसमें डीप-टेक इनोवेशन, ट्रांसलेशनल रिसर्च और 'विकसित भारत 2047' के दृष्टिकोष के अनुरूप प्रौद्योगिकी पर विशेष ज़ोर दिया गया है।

(घ) इस पहल का उपयोग ज्ञान के आदान-प्रदान, प्रौद्योगिकी के प्रदर्शन और प्रयोगशाला में होने वाले अनुसंधान और उद्योग में उसके इस्तेमाल के बीच की कमी को दूर करने के लिए एक साझा रणनीतिक मंच के तौर पर किया गया। अलग-अलग मंत्रालयों, नीति-निर्माताओं, वैज्ञानिकों, युवा शोधकर्त्ताओं, उद्योग जगत के अग्रणी भागीदारों और स्टार्टअप फाउंडर्स को एक साथ लाकर, इस पहल ने पूरे नवाचार इकोसिस्टम के आपसी संबंधों को सुदृढ़ किया और सहयोग व नवाचार के नए अवसरों के बारे में अहम जानकारी दी। 'विकसित भारत 2047' की दिशा में आगे बढ़ने में संस्थागत रुकावटों को खत्म करने की दिशा में यह एक अहम कदम है।

*****